21.11.24

Page-1

Tender Heart High School, Sector-33 B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं
विषय - हिन्दी साहित्य   शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - साहित्य सागर

पाठ-6 'बड़े घर की बेटी' (कहानी)   लेखक - प्रेमचन्द

★ निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-
"श्रीकंठ की दशा बिलकुल विपरीत थी।"

(i) श्रीकंठ सिंह की शारीरिक बनावट किसके विपरीत थी और कैसे ?

उत्तर ठाकुर बेनीमाधव सिंह के दो बेटे थे - बड़े का नाम श्रीकंठ सिंह था और छोटे का नाम लाल बिहारी सिंह था। लाल बिहारी सिंह दोहरे बदन का सजीला जवान था। उसका भरा मुखड़ा और चौड़ी छाती थी। श्रीकंठ की शारीरिक बनावट इससे विपरीत थी। इन नेत्रप्रिय गुणों को बी. ए. इन्हीं दो अक्षरों पर न्योछावर कर दिया था। इन दो अक्षरों ने उनके शरीर को निर्बल और चेहरे को कांतिहीन (चमकहीन) बना दिया था।

(ii) सम्मिलित कुटुंब के संबंध में श्रीकंठ के क्या विचार थे ?

उत्तर श्रीकंठ सिंह सम्मिलित कुटुंब के कट्टर उपासक थे। स्त्रियों की कुटुंब में मिलजुल कर न रहने की इच्छा को वे जाति और देश दोनों के लिए हानिकारक समझते थे। यही कारण था कि गाँव की स्त्रियाँ उनकी निंदक थीं।

(iii) सम्मिलित कुटुंब के संबंध में श्रीकंठ सिंह और उनकी पत्नी के विचारों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर श्रीकंठ सम्मिलित कुटुंब में विश्वास रखते थे। स्त्रियों का

मिलजुलकर रहने की बजाय अलग-अलग परिवार बसाना, इसे वह जाति और देश दोनों के लिए हानिकारक मानते थे। इसी कारण गाँव की ललनाएँ उनकी निंदा करती थीं।

श्रीकंठ सिंह की पत्नी का नाम आनन्दी था। वह एक बड़े घर की बेटी थी। वह अपने पति के सम्मिलित परिवार के पक्षधर होने का विरोध करती थी। उसका विचार था यदि बहुत कुछ सहने पर भी परिवार के साथ निर्वाह न हो सके तो रोज़ की कलह से जीवन को नष्ट करने की अपेक्षा यही अच्छा है कि अपनी खिचड़ी अलग पकाई जाए अर्थात् सम्मिलित कुटुंब से अच्छा है अलग हो लिया जाए।

(iv) श्रीकंठ सिंह की पत्नी का संबंध किस कुल से था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर श्रीकंठ सिंह की पत्नी आनन्दी एक बड़े उच्च कुल की लड़की थी। उसके पिता भूपसिंह एक छोटी-सी रियासत के ताल्लुकेदार थे। विशाल भवन, एक हाथी, तीन कुत्ते, झाड़फानूस आदि सब उनके पास था। वे बड़े उदार चित्त और प्रतिभाशाली पुरुष थे परन्तु दुर्भाग्य से लड़का एक भी नहीं था। आनंदी भूपसिंह की चौथी लड़की थी। भूपसिंह उसे बहुत चाहते थे क्योंकि वह अपनी सब बहनों से सुन्दर और गुणवती थी।

(अंतिम पृष्ठ)